प्रतिलिपन मशीनें (Copying Machine): प्रतिलिपन मशीनों का प्रयोग चपटे या गोल टेम्पलेट का प्रतिलिपन कार्यखण्ड पर करने के लिए किया जाता है। टेम्पलेट की आकृति के यथार्थ पुनरुत्पादन के लिए एवं औजार की गतियों के समन्वय के लिए यान्त्रिक विद्युतीय तीन प्रकार की होती है। इनमें से किसी का भी प्रयोग किया जा सकता है।

(1) यान्त्रिक प्रतिलिपन प्रणाली: जो की पैंटोग्राफ के सिद्धान्त पर आधारित है। इनवल्यूट आकृति निर्मित करने की विधि को दर्शाया गया है। जिसका उपयोग गरारी दाँतों का उपचर्षण करने में होता है।

इस पैंटोग्राफ प्रतिलिपन व्यवस्था की एक विशेष ध्यान देने योग्य बात यह है कि ट्रेसर फलक्रम तथा फालोअर तीनों एक ही सरल रेखा में इसके द्वारा टेम्पलेट से प्रतिलोम आकृति तैयार होती है। टेम्पलेट को उचित प्रकार से व्यवस्थित किया जाना चाहिए। पैंटोग्राफ अनुपात L_1/L_2 का मान लगभग 5:1 से 10:1 के बीच बदलता है।